निज्जर हत्याकांड के संदर्भ में भारत व कनाडा के बीच चल रहा कूटनीतिक विवाद काफी गंभीर रुख अख्तियार कर चुका है। सोमवार को नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायुक्त को समन कर विदेश मंत्रालय बुलाया गया और उन्हें इस बात पर फटकार लगाई गई

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:304 दिनांक:15-10-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

दिल्लीवासियों को खराब वायु गुणवत्ता का सामना करना पड़ा तथा सोमवार को प्रदूषण का स्तर 234 तक पहुंच गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दशहरा के बाद दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 224 पर पहुंच गया है।

भारत कनाडा से वापस बुलाएगा उच्चायुक्त

छह कनाडाई राजनयिक किए निष्कासित, 19 अक्तूबर तक छोड़ना होगा देश

नई दिल्ली : कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस टूडो लगातार भारत पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले पर आरोप लगा रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने का आरोप लगाया था। अब इस मामले में भारत ने सख्त कदम उठाया है। कनाडा के भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़े जाने पर भारत ने सख्त रुख अपनाया है। भारत कनाडा में मौजूद अपने उच्चायुक्त, लक्षित अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुला रहा है। यह फैसला कनाडा के बेतुके और हास्यास्पद नए आरोपों के बाद किया गया है। इस बीच, भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

इससे पहले भारत ने कनाडा के उप उच्चायुक्त स्टीवर्ट व्हीलर को तलब कर कड़ी नाराजगी दर्ज कराई और दोटूक कहा कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को बेबुनियाद निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हमें कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर मौजूदा टूडो सरकार की प्रतिबद्धता पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। साथ ही चेताया था कि भारतीय राजनयिकों के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने की कनाडा सरकार की नई कोशिशों के जवाब में अब भारत के पास आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित है। प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो अपने राजनीतिक फायदे के लिए जानबूझकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। भारत और कनाडा के बीच निज्जर की हत्या से उत्पन्न तनाव की स्थिति और बदतर हो गई है।

इस बीच, भारत सरकार ने कड़ा कदम उठाते हुए कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इन राजनयिकों में कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, प्रथम सचिव मैरी कैथरीन जोली, प्रथम सचिव लैन रॉस डेविड ट्राइट्स, प्रथम सचिव एडम जेम्स चुइपका, प्रथम सचिव पॉला ओरजुएला शामिल हैं। इन्हें शनिवार, 19 अक्टूबर, 2024 को रात 11:59 बजे तक या उससे पहले भारत छोड़ना होगा।

मंत्रालय ने कहा कि कनाडा के पीएम टूडो ने सितंबर 2023 में कुछ आरोप लगाए थे, लेकिन हमारे कई अनुरोधों के बावजूद कनाडा सरकार ने भारत सरकार के साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया। कनाडा का यह नया कदम उन बातचीत के बाद उठाया गया है जिनमें एक बार फिर बिना किसी तथ्य के दावे किए गए। इससे कोई संदेह नहीं है कि यह उसकी जांच के बहाने राजनीतिक लाभ के लिए भारत पर कीचड़ उछालने की एक सोची समझी रणनीति है। भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने वाला यह नवीनतम घटनाक्रम अब उसी दिशा में अगला कदम है।

विदेश मंत्रालय से निकलने के बाद कनाडा के प्रभारी स्टीवर्ट व्हीलर ने कहा कि कनाडा ने भारत सरकार के एजेंटों और कनाडा में एक कनाडाई नागरिक की हत्या के बीच संबंधों को लेकर विश्वसनीय सबूत उपलब्ध कराए हैं। अब भारत के लिए समय आ गया है कि वह जो कहता है उस पर खरा उतरे और सभी आरोपों पर गौर करे। इसकी तह तक जाना दोनों देशों और उनके लोगों के हित में है। कनाडा भारत के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि भारत को रविवार को कनाडा से राजनयिक माध्यम से जानकारी दी कि भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिक उनके देश में एक जांच से संबंधित मामले में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' हैं। पर्सन ऑफ इंटरेस्ट का मतलब यह है कि किसी व्यक्ति के बारे में पुलिस को लगता है कि वह किसी अपराध में शामिल हो सकता है लेकिन उस औपचारिक आरोप नहीं लगाए सकते और न गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। हालांकि उसकी गतिविधियों, संपर्कों और अन्य जानकारी को जांच के दायरे में रखा जाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार इन बेतुके आरोपों को पूरी दृढ़ता से खारिज करती है और इन्हें जस्टिन टूडो सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा मानती है, जो वोट बैंक की राजनीति पर केंद्रित है।

भारत-कनाडा के मौजूदा रिश्तों को लेकर सभी दलों को भरोसे में लें प्रधानमंत्रीः जयराम रमेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। कनाडा के साथ भारत के मौजूदा संबंधों को लेकर चल रही तनातनी पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लें। जयराम रमेश का कहना है कि मौजूदा भारत-कनाडा संबंधों के संदर्भ में जो स्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि सरकार इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाए और सभी दलों को भरोसे में लेकर आगे बढ़े।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आई है, खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो द्वारा खालिस्तानी मुद्दे पर की गई टिप्पणियों के बाद। भारत ने कनाडा के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों में सख्ती दिखाई है, और दोनों देशों के बीच व्यापारिक और राजनीतिक स्तर पर तनाव बढ़ा है।

जयराम रमेश का यह भी मानना है कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्षी दलों को भी शामिल करना और उन्हें जानकारी देना लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है, ताकि देश की एकजुटता और सामूहिक दृष्टिकोण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिख सके।

जयपुर पुलिस का ऑपरेशन वज्र प्रहार......24 घंटे में 1050 जगह दबिश, 811 बदमाश पकड़े

जयपुर (ईएमएस)। आसाराम बापू को जेल की सलाखों के पीछे भेजने वाले राजस्थान के सिंघम आईपीएस अजयपाल लांबा इन दिनों फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही मेंउन्होंनेजयपुर रेंज आईजी का कार्यग्रहण किया है।आईपीएस सिंह का नाम उन चुनिंदाअफसरोंमेंहैं जिनके नाम से अपराधी थर-थर कांपते हैं। उनका काम करने का तरीका ऐसा है कि अपराधी चाहे कितना ही शातिर हो लेकिनबच नहीं सकता। चार सालतकजयपुरपुलिसकमिश्नरेटमें एडिशनल कमिश्नर रहने के बाद लांबा डेढ साल तक उदयपुर रेंज आईजी रहे। सितंबर 2024में ही उन्हें जयपुर रेंज आईजी की जिम्मेदारी दी गई।

जयपुर रेंज में कुल 7 जिले आते हैं। इसमें जयपुर ग्रामीण, अलवर, दौसा, भिवाड़ी, खैरथल तिजारा, कोटपूतली बहरोड़ और दूदू शामिल हैं। जयपुर के आसपास के इस क्षेत्र को अपराध के लिहाज से बड़ा अहम माना जाता है। चूंकि इन क्षेत्रों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, यूपी सहित अन्य राज्यों के सक्रिय अपराधियों का मूवमेंट रहता है। इसके बाद अपराधों पर लगाम लगाने अनुभवी और दबंग अफसरों को लगाया जाता है। जयपुर रेंज आईजी पद पर कार्य ग्रहण करते ही आईपीएस लांबा ने सभी सातों जिलों के एसपी की बैठक ली।

बहराइच कांडः दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा.. बवाल फिर बेकाबू हुए हालात

नोएडा : बहराइच में रविवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन यात्रा के दौरान हुई पत्थरबाजी और गोलीबारी में युवक रामगोपाल मिश्रा की मौत के बाद जारी बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार की सुबह आक्रोशित भीड़ ने हरदी, साधुवापुर, भगवानपुर और राजी चौराहे पर आगजनी की। वहीं, एक धार्मिक स्थल भी ध्वस्त कर दिया। तोड़फोड़ व आगजनी की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश को बहराइच के लिए रवाना किया। बहराइच पहुंचने के बाद तत्काल अमिताभ यश प्रभावित क्षेत्र पहुंचे। प्रशासन के अनुसार अब तक 30 उपद्रवी हिरासत में लिए जा चुके हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने ने कहा कि शासन की चूक की वजह से ये घटना हुई। उधर, मृतक युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजनों ने प्रशासन से दोषियों का उनके सामने एनकाउंटर करने की मांग की है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महसी तहसील की प्रतिमा शांति पूर्वक विसर्जन के लिए जा रही थी। महराजगंज कस्बे में पहुंचने पर दूसरे समुदाय के लोगों ने गाली गलौज शुरू कर दी। प्रतिमा के साथ चल रहे लोगों ने जब इसका विरोध किया तो छतों से पथराव शुरू कर दिया गया। इसके बाद विसर्जन रोक समिति सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान लोगों भीड़ मौके पर पहुंची और उपद्रव शुरू कर दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि भगदड़ के दौरान दूसरे समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24) को घसीट कर घर में ले गए। वहां उसकी बर्बरता के साथ पिटाई करते हुए पैर के नाखून उखाड़ लिए और उसे गोलियां मार दीं। गंभीर रूप से घायल राजन सहित 12 लोगों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

सोमवार सुबह आक्रोशित भीड़ ने हरदी चौराहे पर विभिन्न दुकानों के बाहर लगी होर्डिंग में आग लगा दी। वही, राजी चौराहे पर टायर में आग लगा दी जिसे दमकल वाहनों ने बुझाया। यही नहीं भीड़ ने सधुवापुर चौराहे और भगवानपुर चौराहे पर भी उपद्रव किया और धाबली व छप्पर आदि को आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद पहुंची पुलिस और पीएसी के जवानों ने मोर्चा संभाला और लाठी फटकार कर प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ा। पुलिस प्रशासन के काफी समझाने के बाद परिजन माने और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। एहतियात के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। इसके पहले, महसी और महराजगंज के पूरे क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं होती रहीं। पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधि परिवार के संपर्क में रहे और उन्हें शव के अंतिम संस्कार के लिए मना लिया। इस बीच प्रशासन ने पूरी सख्ती दिखाते हुए रोड को पूरी तरह से खाली कर दिया।

प्रदर्शन और आगजनी की घटनाएं चौराहों के साथ गांवों में भी फैल रही हैं। सूत्रों के अनुसार आक्रोशित भीड़ ने चंदपईया और कबडियनपुरवा गांव में भी तोड़फोड़ और आगजनी की। जिसके बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। विसर्जन जुलूस में मृत हुए रामगोपाल का शव गांव पहुंचने के बाद भीड़ उग्र हो गई। भीड़ ने जगह जगह तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी। तोड़फोड़ व आगजनी की सूचना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश को बहराइच के लिए रवाना किया। बहराइच पहुंचने के बाद तत्काल अमिताभ यश प्रभावित क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान महसी के रमपुरवा चौकी पर आक्रोशित भीड़ ने एडीजी के सामने ही तोड़फोड़ शुरू कर दी।

रेवतीपुर बना एशिया का सबसे बड़ा मतदाता वाला गांव

गाजीपुर,(ईएमएस)। यूपी के गाजीपुर जनपद का रेवतीपुर गांव एशिया का सबसे ज्यादा मतदाता वाला गांव बन गया है। पंचायत चुनावों में गांव में मतदाता जागरूकता का प्रभाव देखने को मिला है, जिसके परिणामस्वरूप यहां के निवासियों ने अपने मतदान का उपयोग करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रेवतीपुर में 2022 में 24,978 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जबकि गाजीपुर के अन्य बड़े गांव गहमर में यह संख्या मात्र 24,232 है। यह संख्या रेवतीपुर को चुनावी प्रक्रिया में एक अहम स्थान पर लाती है। यहां मतदान के लिए 39 बूथ बनाए गए हैं, जो ग्रामीणों को अपनी आवाज उठाने का अवसर प्रदान करते हैं। गहमर गांव की जनसंख्या 1.27 लाख है और यह 22 टोले में बंटा हुआ है, लेकिन रेवतीपुर की जनसंख्या करीब 70 हजार है। गहमर की विशालता के बावजूद रेवतीपुर ने मतदाता जागरूकता की वजह से इस चुनावी मुकाबले में बढ़त बना ली है।

रेवतीपुर के निवासियों से बातचीत करने पर पता चला कि वे मतदान के प्रति अत्यधिक जागरूक हैं। पंचायत चुनावों के प्रचार-प्रसार ने उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। गांव के लोग अपने गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित महसूस करते हैं, जो चुनावी प्रक्रिया में उनके योगदान को और भी अहम बनाता है। रेवतीपुर का यह नया दर्जा न केवल चुनावी आंकड़ों के लिए अहम है, बल्कि यह गांव की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर को भी उजागर करता है। रेवतीपुर के लोग अपने मतदान अधिकारों का उपयोग करके न केवल अपनी पहचान को मजबूती दे रहे हैं, बल्कि वे अपने गांव के विकास में भी योगदान कर रहे हैं।

समलैंगिक संबंध को चुनौती देने वाली याचिका SC में खारिज

नई दिल्ली। बिना सहमति के जबरदस्ती बनाए गए समलैंगिक संबंध और अप्राकृतिक यौनाचार को अपराध मानने वाले आईपीसी की धारा-377 के प्रविधान नए अपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में नहीं शामिल किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला संसद के क्षेत्राधिकार में आता है। यह अदालत संसद को कानून बनाने या संविधान के अनुच्छेद-142 में मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके किसी चीज को अपराध घोषित करने का आदेश नहीं दे सकती। याचिकाकर्ता इस संबंध में सरकार को ज्ञापन दे सकता है।

बिना सहमति के जबरदस्ती बनाए गए समलैंगिक संबंध और अप्राकृतिक यौनाचार को अपराध मानने वाले आईपीसी की धारा-377 के प्रविधान नए अपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में नहीं शामिल किए, जाने को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी।

जयशंकर होंगे एससीओ बैठक में शामिल, क्या कहता है पाकिस्तान मीडिया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं। बैठक 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होने वाली है। दशक बाद भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला पाकिस्तान दौरा है जिसे लेकर पाकिस्तान मीडिया में कई खबरें चल रही हैं। वहां की मीडिया में कहा जा रहा है भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान आने का फैसला क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का एक प्रयास है।

पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार ने हाल ही में विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे को लेकर दो अलग-अलग खबरें प्रकाशित की। एक खबर में विदेश मंत्रालय का बयान है जिसमें विदेश मंत्री के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान जाने की पुष्टि की गई थी। अखबार ने लिखा कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 15-16 अक्टूबर के बीच होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत के विदेश मंत्री एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान का दौरा करेंगे।

अखबार ने लिखा कि करीब एक दशक में किसी भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला विदेश दौरा है। पिछले साल मई में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो एससीओ विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत आए थे। करीब 12 सालों में भारत का दौरा करने वाले वह पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एससीओ बैठक में भारत का शामिल होना एक नाजुक संतुलन बनाने की कोशिश है जो दिखाता है कि संगठन के अंदर चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर भारत सतर्क है और इसके खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग की जरूरत को समझता है। एससीओ की आर्थिक रणनीतियों में चुनिंदा रूप से शामिल होकर, भारत एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपना रहा है। इसका मकसद मध्य एशियाई देशों के साथ रचनात्मक संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीनी प्रभुत्व को संतुलित करना है।

अखबार ने आगे लिखा कि पाकिस्तान में आयोजित बैठकों में हिस्सा लेने को लेकर भारत में हमेशा से एक हिचकचाहट रही है। ये नवंबर 2016 में 19वें सार्क शिखर सम्मेलन के बहिष्कार से शुरू हुई जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी। बहिष्कार के कारण गतिरोध पैदा हो गया, जिससे बैठक नहीं हो पाई क्योंकि सार्क चार्टर में यह अनिवार्य है कि शिखर सम्मेलन के लिए सभी सदस्य देशों का मौजूद होना जरूरी है। इसके विपरीत, एससीओ में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

अखबार ने दूसरी खबर में विदेश मंत्री का शनिवार को दिया गया बयान छापा है जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दौरे में वह द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई चर्चा नहीं करेंगे। जयशंकर ने नई दिल्ली में कहा कि संबंधों की प्रकृति को देखते हुए मीडिया की इसमें काफी रुचि होगी। जयशंकर ने कहा कि लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह एक बहुपक्षीय कार्यक्रम होगा। मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं वहां एससीओ का एक अच्छा सदस्य बनने जा रहा हूं। मैं एक विनम्र और सभ्य इंसान हूं और पाकिस्तान में वैसा ही व्यवहार करूंगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि विदेश मंत्री पाकिस्तान आने का फैसला कर ये संकेत दे रहे हैं कि हम एससीओ को कम नहीं आंक रहें...जब तय हुआ कि बैठक पाकिस्तान में होगी तो हम इसमें हिस्सा लेंगे। जब बिलावल भुट्टो गए थे भारत, उन्होंने कश्मीर पर बात की थी, जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया था, तब मीडिया को बड़ा मसाला मिला था। इस बार जयशंकर के पाकिस्तान आने से भी ऐसा ही होने वाला है।

डंपर की टक्कर लगने से बीच में दबी कार, चार छात्रों समेत पांच की मौत

कानपुर (ईएमएस)। यूपी के कानपुर महानगर के पनकी थानाक्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां एक तेज रफ्तार कार के आगे चल रहे डंपर ने अचानक ब्रेक ले ली। हादसे में पीछे से आ रहे डंपर की टक्कर लगने से कार बीच में दब गई। जिसमें पीएसआईटी के चार छात्रों समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को काटकर शवों को बाहर निकाला। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, पोस्टमार्टम हाउस में मृतकों के परिजन पहुंचे। शव देखते ही वह बिलख-बिलख कर रोने लगे। हादसे के बाद 20 किमी लंबा जाम लग गया। घटना की जानाकरी पाकर डीसीपी वेस्ट राजेश कुमार सिंह, एसीपी पनकी अमरनाथ यादव कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

मृतकों में बीटेक प्रथम वर्ष कंप्यूटर साइंस की छात्रा आयुषी पटेल, तृतीय वर्ष की छात्रा गरिमा त्रिपाठी, चतुर्थ वर्ष का छात्र प्रतीक सिंह व तृतीय वर्ष का छात्र सतीश कुमार शामिल है। इसके अतिरिक्त चालक यशोदा नगर निवासी निवासी विजय साहू भी हैं। इन पांचों लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि दशहरे की छुट्टी के बाद सोमवार सुबह कॉलेज खुलने पर दो छात्र व दो छात्राएं ड्राइवर के साथ ऑल्टो कार से पीएसआईटी कॉलेज जा रहे थे। इसी दौरान कॉलेज से करीब एक किमी दूर पर हादसा हो गया। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा देख लोग दहल उठे। वहीं, पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे और गाड़ी से शवों को काटकर बाहर निकाला।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंची छात्रा गरिमा के परिजनों ने बताया कि मरने वाले चारों छात्र-छात्राएं एक ही मोहल्ले में रहने वाले थे। सभी में गहरी दोस्ती थी। परिजनों ने बताया कि एक ही कार बच्चों के लिए पीएसआईटी कॉलेज जाने के लिए बुक करा रखी थी। रोज की तरह सोमवार सुबह भी सभी छात्र-छात्राएं कॉलेज जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया और पांचों काल के गाल में समा गए।

महाराष्ट्र के दो नेता धुर्पतराव सावड़े और अविनाश घाटे ने छोड़ी भाजपा, कांग्रेस में हुए शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक और बड़ा घटनाक्रम सामने आया है, जहां दो प्रमुख नेताओं धुर्पतराव सावड़े और अविनाश घाटे ने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। बता दें कि आगामी चुनावों से पहले भाजपा के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि धुर्पतराव सावड़े और अविनाश घाटे दोनों ही अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली नेता रहे हैं।

इन नेताओं का कांग्रेस में शामिल होना विपक्षी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़त साबित हो सकता है, खासकर जब महाराष्ट्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। भाजपा से इन नेताओं का मोहभंग यह संकेत देता है कि राज्य में सत्ता-संतुलन को लेकर असंतोष और आंतरिक संघर्ष बढ़ रहा है।

कांग्रेस, जो महाराष्ट्र में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने की कोशिश कर रही है, इन नेताओं के शामिल होने से मजबूत हो सकती है। वहीं, भाजपा के लिए यह नेताओं का पार्टी छोड़ना संगठन के भीतर असंतोष और चुनौतियों का संकेत है।

वैश्विक 6जी पेटेंट फाइलिंग में भारत शीर्ष छह देशों में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में 5जी को रिकॉर्ड समय में लागू करने के बाद भारत 6जी तकनीक पर काम कर रहा है। देश 6जी से संबंधित पेटेंट दाखिल करने के मामले में शीर्ष है। वैश्विक 6जी पेटेंट फाइलिंग में भारत शीर्ष छह देशों में शामिल हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक भारत के 6जी तकनीक के डिजाइन, विकास और तैनाती में अग्रणी योगदानकर्ता बनने की परिकल्पना की है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 6जी शोध को आगे बढ़ाने दो अगली पीढ़ी के टेस्टबेड को वित्तीय सेवा दी है। मोदी सरकार के नेतृत्व वाले 6जी एक समिति के अनुसार, भारत अगले तीन वर्षों में सभी 6जी पेटेंट में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी और वैश्विक मानकों में छठा योगदान हासिल कर सकता है। देश ने पहले ही पेटेंट और आईपीआर समर्थन ढांचे और टेस्टबेड की कमीशनिंग के साथ-साथ 'भारत 6जी विजन' और 'भारत 6जी अलायंस' जैसी विभिन्न पहल शुरू कर दी है।

कारोबार विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के लिए तकनीक में अग्रणी बनने विश्वसनीय कनेक्टिविटी के साथ वायरलाइन और इंटेलिजेंट वायरलेस ब्रॉडबैंड नेटवर्क दोनों का प्रसार महत्वपूर्ण है। 190 से अधिक देशों के विश्व दूरसंचार लीडर, विशेषज्ञ और शिक्षाविद 14-24 अक्टूबर तक भारत में आयोजित होने वाले 10 दिवसीय विश्व दूरसंचार मानकीकरण सम्मेलन (डबल्यूटीएसए-2024) में भाग लेने के लिए तैयार हैं। अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) के 150 वर्ष के इतिहास में पहली बार 14-24 अक्टूबर तक राष्ट्रीय राजधानी में 'डबल्यूटीएसए-2024' का आयोजन किया जा रहा है।

झारखंड में एनडीए की पार्टियों ने बांट ली सीटें!

चिराग पासवान को एक सीट पर चुनाव लड़ने का मौका, मांझी के हाथ खाली

रांची(ईएमएस)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए की पार्टियों ने सीटों का बंटवारा कर लिया है। भाजपा ने सहयोगी दलों में आजसू पार्टी को नौ सीटें दी हैं। जेडीयू को दो सीटें मिली हैं। लोजपा (रामविलास) को एक सीट ऑफर की गई है। जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) पार्टी को कोई सीट नहीं दी गई है।

सुदेश महतो के नेतृत्व वाली आजसू पार्टी को 10 सीटें दी गई हैं। हालांकि इसके साथ शर्त है। एक सीट पर लोजपा (आर) को ऑफर की गई है। अगर चिराग पासवान मान जाते हैं तो आजसू को नौ सीटों पर ही चुनाव लड़ना पड़ेगा। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जेडीयू को दो सीटें दी गई हैं। इनमें एक सीट सरयू राय के जेडीयू में शामिल हो जाने के बाद सिटिंग सीट हो गई है।

झारखंड में भाजपा के दूसरे चुनाव प्रभारी असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की मानें तो सीट बंटवारे का औपचारिक ऐलान दो-तीन दिनों के अंदर हो जाएगा। भाजपा अपने उम्मीदवारों की सूची भी उसी दिन जारी कर देगी। हिमंता के मुताबिक सीट बंटवारे पर सहयोगी दलों के साथ सहमति बन चुकी है। भाजपा एक बार में अपने सभी उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं करेगी। पहली सूची दो-तीन में आएगी। दूसरी सूची में बाकी उम्मीदवारों के नाम होंगे।

दीवाली से पहले ही खराब हुई दिल्ली की हवा, मंगलवार से ग्रैप लागू; पटाखों पर बैन

नई दिल्ली(ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 220 यानी खराब श्रेणी में दर्ज किए जाने के बाद स्टेज-1 लागू कर दिया गया है. 15 अक्टूबर यानी मंगलवार सुबह 8 बजे से स्टेज-1 के तहत आने वाली सभी पाबंदियां लागू हो जाएंगी. इसको लेकर आदेश भी जारी किया गया है. पिछले 24 घंटे में वायु गुणवत्ता मापदंडों में अचानक गिरावट के बाद उप-समिति ने ये निर्णय लिया है.

बता दें कि शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा, 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक, 101 और 200 के बीच 'मध्यम, 201 और 300 के बीच 'खराब, 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब और 401 और 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर श्रेणी में माना जाता है.

विभाग ने बताया कि इससे पहले आखिरी बार 19 दिन पहले (25 सितंबर को) वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गयी थी. दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने प्रतिबंध का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश भी जारी किए हैं.

प्रदूषण को लेकर दिल्ली सरकार ने सोमवार को शहर में सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया, जो एक जनवरी, 2025 तक प्रभावी रहेगा. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यह घोषणा की और दिल्ली वासियों से वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया.

जिला प्रशासन और प्रदूषण विभाग ने इससे निपटने के लिए कवायद शुरू कर दी है. दीपावली के पहले ही प्रदूषण का स्तर रेड जोन में पहुंचने से ग्रैप की गाइडलाइन के अनुसार पाबंदियां बढ़ाई जा सकती हैं. इसका कारण ये है कि जगह-जगह कूड़ा जलाया जा रहा है. खुले में हो रहे निर्माण कार्यों पर किसी तरीके का कोई प्रतिबंध नहीं लगा है, ना ही वो किसी मानकों का पालन कर रहे हैं. इसी वजह से धीरे-धीरे वायु गुणवत्ता खराब होती दिखाई दे रही है. कुछ दिनों बाद दिवाली में पटाखों के चलते और अन्य राज्यों में पराली जलाए जाने के चलते भी प्रदूषण का स्तर और भी ज्यादा खतरनाक होने की उम्मीद है.

जौहर ट्रस्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट का दखल से इंकार......आजम खान को झटका

नई दिल्ली (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से सोमवार को बड़ा झटका लगा है। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देकर याचिका दायर की थी, इसमें रामपुर में जौहर स्कूल के लिए आवंटित जमीन के पट्टे को रद्द कर यूपी सरकार को भूमि अधिग्रहण की इजाजत दे दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इंकार किया। इसके पहले याचिकाकर्ता आजम के वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई में कहा कि अभी स्कूल में 300 बच्चे पढ़ रहे हैं, लिहाजा यूपी के हाईकोर्ट आदेश पर रोक लगाई जाए और प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा वाली पीठ ने यूपी सरकार को आदेश दिया कि राज्य सरकार ये सुनिश्चित करें वहां पढ़ रहे करीब 300 छात्रों का दाखिला दूसरे शैक्षणिक संस्थानों में हो सके। दरअसल, हाईकोर्ट ने रामपुर में जौहर ट्रस्ट को सरकारी जमीन का पट्टा मामले में सपा नेता खिलाफ फैसला सुनाया था। जौहर ट्रस्ट की कार्यकारिणी समिति की तरफ से हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी, इस रद्द कर दिया गया। आजम मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

बता दें कि इससे पहले 28 अगस्त को आजम खान को एक अन्य मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। उन्हें 2019 में आचार संहिता उल्लंघन मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने बरी कर दिया था सबूतों के अभाव के चलते उन पर आचार संहिता का उल्लंघन नहीं पाया गया और वे इस केस से दोषमुक्त हो गए थे।

ममता सरकार और जूनियर डॉक्टरों के बीच बैठक विफल, जारी रहेगा आंदोलन

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टरों की आमरण अनशन और सरकार के बीच चल रहा तनाव बरकरार है। सोमवार को 12 डॉक्टर संगठनों के प्रतिनिधियों और भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के मुख्य सचिव मनोज पंत के नेतृत्व में स्वास्थ्य भवन में हुई बैठक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। सूत्रों का कहना है कि ममता सरकार ने जूनियर डॉक्टरों की मांगों को हल करने के लिए समयसीमा तय करने में असहमति जताई, जिससे डॉक्टरों में निराशा बढ़ी।

बैठक के बाद पश्चिम बंगाल डॉक्टर्स फोरम के अध्यक्ष डॉ. कौशिक चाकी ने बताया कि बैठक विफल रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने सरकार से मांग की थी कि कोई उच्च अधिकारी अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से सीधी बातचीत करें, लेकिन मुख्य सचिव मनोज पंत ने समयसीमा देने से इनकार कर दिया। डॉक्टरों ने स्वास्थ्य सचिव नारायणस्वरूप निगम की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया।

बैठक के बाद डॉक्टरों के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने आर.जी.कर के मुद्दे पर अपनी चिंताओं को साझा किया। डॉक्टरों की 10 सूत्रीय मांगों पर राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया है, जिससे डॉक्टरों का आंदोलन जारी रहने की संभावना है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने जूनियर डॉक्टरों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे जानबूझकर इस मुद्दे को खींच रहे हैं और राज्य सरकार को परेशान करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर लगातार अपनी मांगों को बदल रहे हैं और उनकी गतिविधियाँ वामपंथी ताकतों से प्रेरित हैं।

सरकार ने डॉक्टरों की 10 मांगों में से सात पर पहले ही विचार कर लिया है। शेष तीन मांगों पर सरकार समयसीमा देने में असमर्थ है, क्योंकि ये प्रशासनिक मुद्दे हैं। पंत ने कहा कि सरकार ने डॉक्टरों की समस्याओं पर ध्यान दिया है और उनसे भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की है।

महाराष्ट्र चुनाव को लेकर दिल्ली में भाजपा और कांग्रेस का मंथन जारी

नई दिल्ली(ईएमएस)। हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव से निपटने के बाद सोमवार को दिल्ली में महाराष्ट्र चुनाव को लेकर अहम बैठकें हुईं, जिसमें कांग्रेस व भाजपा ने अपने अपने नेताओं के साथ बैठकर आगामी चुनाव को लेकर रणनीति तय की। कल ही महाराष्ट्र के साथ झारखंड व देश के अलग-अलग राज्यों में होने वाले लोकसभा व विधानसभा उपचुनावों की तारीखों का ऐलान भी हो सकता है। इससे पूर्व महाराष्ट्र व झारखंड दोनों ही जगह कैबिनेट की अहम बैठकें हुईं, जिसमें सत्तासीन दलों ने जनहित से जुड़े अहम फैसले लिए। महाराष्ट्र में जहां सोमवार को शिंदे सरकार ने कैबिनेट में मुंबई में टोल टैक्स को लेकर तय किया कि अब सोमवार की आधी रात के बाद से मुंबई आने वाले सभी पांच टोलों पर हल्के वाहनों को टोल फ्री कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने फैसला किया है कि मइया सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये महीने दिया जाएगा।

महाराष्ट्र को लेकर सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सरकारी आवास पर बैठक हुई, जिसमें महाराष्ट्र के तमाम बड़े नेताओं ने भाग लिया। बैठक में खरगे के अलावा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राज्य के प्रभारी रमेश चेनिथल्ला, प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष बालासाहब थोराट, पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण, विजय वडेट्टीवार, सांसद वर्षा गायकवाड़ व प्रदेश के चार सह प्रभारी सहित दूसरे सीनियर नेताओं ने भाग लिया।

जन हितैषी

दिखावे और गैर जरूरी खर्च से बचें, बचत पर ध्यान दें

आज के दौर में दिखावे पर खर्च करना निम्न और मध्यम वर्ग में बड़ी तेजी के साथ बढ़ गया है। दिखावे के लिए कर्ज लेकर खर्च करने की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पिछले कुछ वर्षों में गैर जरूरी खर्च लोग दिखावे के लिए कर रहे हैं। हवाई जहाज और ट्रेनों में आसानी से टिकट उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। मध्यवर्ग के लोग हैसियत नहीं होने के बाद भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। रेलवे में एसी पर यात्रा करना आज-कल दिखावे के रूप में निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों में किया जा रहा है। यात्रा के दौरान टिकट से कई गुना ज्यादा पैसा ब्रांडेड सामग्री को खरीदने और खाने-पीने की चीजों में खर्च किया जा रहा है। एयरपोर्ट में कई गुने दामों में बिकने वाले सामान पर काफी पैसा खर्च किया जा रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के बीच में ब्रांडेड महंगी चीजों पर खर्च करना स्टेटस सिंबल बन गया है। वह भी उनके सामने जिन्हें वह जानते भी नहीं हैं। सोचने वाली बात है, कि इस तरह की फिजूलखर्ची के पीछे युवा वर्ग बड़ी तेजी से पैसे खर्च कर रहा है। छोटी-छोटी बचत से बड़ी रकम को बचाया जा सकता है। ऑनलाइन खरीदी की लत युवा वर्ग को बड़ी तेजी के साथ लगती चली जा रही है। मोबाइल फोन पर नई-नई चीज देखकर उन्हें खरीदने की आदत युवा वर्ग में नशे की तरह बढ़ती चली जा रही है। ऑनलाइन खरीदे गए सामान उनके लिए कितने उपयोगी हैं, कितने गैरजरूरी हैं, इसकी समझ भी उन्हें नहीं है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि कर्ज लेकर खर्च करना आज-कल के युवाओं का स्टेटस सिंबल बन गया है।

आज की युवा पीढ़ी यह भूल गई कि उनके अपने परिवार के बुजुर्ग अपने समय में हमेशा जरूरत की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते थे। वही चीज खरीदते थे, जो उनके लिए उपयोगी और जरूरी होती थीं। खर्चे में वो कभी कोई कमी नहीं करते थे, लेकिन जरूरत के लिहाज से ही खरीदी होती थी। बगैर जरूरत की चीजों में पैसा नहीं फेंका जाता था। अपनी आय के अनुरूप जरूरी खर्चों के बाद बचत करने पर विशेष रूप से ध्यान देते थे। यही नहीं हमारे बुजुर्ग कभी भी किसी के सामने अपनी आर्थिक स्थिति का भान होने नहीं देते थे। इन सब बातों के विपरीत आज का युवा वर्ग दिखावे की मानसिकता के चलते खर्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं। बजाय इसके युवा वर्ग को प्राथमिकता के अनुसार ही खर्च करना चाहिए। दिखावे के लिए ब्रांडेड महंगे प्रोडक्ट्स खरीदने से हमारी सामाजिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं आता है। उल्टे आज का युवा वर्ग कर्ज के जाल में फंसता जा रहा है। स्टेटस सिंबल को लेकर वह मानसिक रूप से हमेशा परेशान रहता है। युवाओं में बचत करने की कोई प्रवृत्ति नहीं है। आय और व्यय के बीच में संतुलन नहीं होने से बचत नहीं होती और इस कारण जब आकस्मिक कोई जरूरी खर्च करने की परिस्थिति सामने आती है तब यह युवा वर्ग बहुत परेशान हो जाता है। ऐसे में उसे कुछ सूझता नहीं है और कर्ज पर कर्ज लेकर अपनी जरूरतों को पूरा करने पर विवश हो जाता है। ऐसा करने से उसकी आगे की जिंदगी भी परेशानी में उलझती चली जाती है। नेक सलाह तो यही है कि गैरजरूरी खर्चों से युवा पीढ़ी को बचना चाहिए और बचत की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि स्टेटस सिंबल के चक्कर में किए जाने वाले खर्च से चंद मिनट तो सुख मिल सकता है, लेकिन लंबे समय के लिए वह किसी काम का नहीं होता है। इसलिए इससे बचना चाहिए और हर बात को स्टेटस सिंबल से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। युवा मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को स्टेटस सिंबल को लेकर एक क्षणिक संतोष तो हो सकता है, लेकिन इससे आगे फिर उनको परेशानी और मानसिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ता है। युवाओं के साथ ही निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को यह समझने की जरूरत है।

बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

भारत के कलाम साहब! जिनकी शख्सियत कमाल की थी। उनका सरल स्वभाव, सादा जीवन और ऊंचे सपने देखने की ललक उन्हें वैश्विक परिदृश्य में एक अलग पहचान देती है। उनका बच्चों के बीच खुलकर विचार-विमर्श करना, उन्हें सपने देखने के लिए प्रेरित करना, उनकी जिज्ञासा को बढ़ने देना ताकि वो कुछ नया सीख पाए।

उनके सपनों को पंख देना ताकि वो अपनी उड़ान से भारत को नई बुलंदियों पर ले जाए, उनकी खुली आंखों का सपना था। कलाम साहब की ऐसी असंख्य खूबियां उन्हें बच्चों के पसंदीदा शिक्षक और युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बनाती है।

भारत की बेमिसाल शख्सियत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का सपना भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध और शक्तिशाली देश बनाने का था। जिसे उन्होंने अपने अंतिम समय तक पूरा करने का प्रयास किया। वो भारत के कलाम थे और पूरा भारत उनमें बसता था। सशक्त भारत का ख़्वाब बदलते भारत की तस्वीर में साफ तौर पे देखा जा सकता है। हम तरक्की के नये पायदानों को पार करते आज ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। हालाँकि बहुत से अपवाद अभी भी हैं और होंगे ही वो स्वाभाविक हैं लेकिन उन अपवादों से इतर कलाम साहब का भारत विश्व के मानचित्र पर अपनी धाक बनाये हुए है।

अब्दुल कलाम जी का जन्म तमिलनाडु में रामेश्वरम के तमिल मुस्लिम परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था।

डॉ.कलाम का सफर रामेश्वरम से शुरू हुआ और भारत के राष्ट्रपति के पद तक पहुचें लेकिन उनकी पहली पसंद एक टीचर बने रहना ही रही। उन्होंने अपने जीवन को एक बेहतरीन लर्नर के रूप में ढाला। दुनिया के इस बेमिसाल टीचर ने अपने जिंदगी का आखिरी लम्हा 27 जुलाई सन् 2015 को अपने देश की युवा पीढ़ी के सामने ही मुकम्मल किया।

उनके जीवन के वो आखिरी पल जब दुनिया को अलविदा कहने का वक़्त आया, देश की यादगार धरोहर की तरह कैमरे में कैद हो गए। डा. कलाम साहब का सपना था भारत को 2020 तक आत्मनिर्भर भारत के रूप में वैश्विक पहचान बनते हुए देखें भारत की आने वाली नई पीढ़ी को थमा कर चले गए कलाम साहब। कलाम साहब के रहते देश ने एक के बाद एक कई तारीखी इबारतें लिखीं।

सन् 1980 में जब रोहिणी उपग्रह भारत का पहला स्वदेश-निर्मित प्रक्षेपण यान एसएलवी-3 बना, डा. कलाम साहब बेहद खुश थे। यह देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत कदम था। भारत अन्तरराष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया।

डॉ. कलाम भारत को टेक्नोलॉजी की दुनिया में आत्मनिर्भर बनाने की इबारत लिखने की तैयारियों में जुट गए। डा. कलाम ने स्वदेशी गाइडेड मिसाइल को डिजाइन किया। भारतीय तकनीक से पृथ्वी और अग्नि जैसी मिसाइलों को बनाया। भारत की सरजमीं से बेइन्तेहां मोहब्बत करने वाले भारत के इस होनहार बेटे ने भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए कई सफल प्रयोग किए।

दुनिया जानती है कि डा. कलाम ने शादी नहीं की, उनकी कोई औलाद नहीं थी। लेकिन उनका बच्चों से बेशुमार प्रेम था। एक बार उनसे किसी विदेशी पत्रकार ने ऐसा ही सवाल पूछा, कि आपकी कोई संतान नहीं है, फिर भी आप बच्चों से इतना प्यार करते हैं क्यों?

कलाम साहब मुस्कुराए और बडी शालीनता से बोले, मेरे तीन बच्चे हैं पृथ्वी, अग्नि और ब्रहमोस। यकीनन् राष्ट्रप्रेम और भारत को दुनिया के मानचित्र में विकसित देशों की श्रेणी में लाने का उनका प्रयास ही उनका वास्तविक प्रेम था। जिसके परिणाम स्वरूप भारत के करोड़ों बच्चों की आज भी कलाम साहब पहली पसंद हैं।

लगभग पांच वर्षो के अथक परिश्रम के फलस्वरूप जब 'अग्नि' मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तब डॉ. कलाम कहते हैं कि 'अग्नि को इस नजर से मत देखो, ये सिर्फ ऊपर उठने का साधन नहीं है, न शक्ति की नुमाइश है, अग्नि एक लौ है जो हर हिन्दुस्तानी के दिलों में जल रही है। इसे मिसाइल मत समझो! यह कौम के माथे पर चमकता हुआ आग का सुनहरा तिलक है।'

डॉ. कलाम ने एक के बाद एक कई सशक्त सुरक्षा के हथियारों, मिसाइल से लेकर परमाणु परीक्षण तक में, भारत को दुनिया के परमाणु सम्पन्न देशों की श्रेणी में लाने का सफल प्रयास किया। लेकिन उनके स्वाभाव की सौम्यता इन हथियारों को आधुनिक तकनीक के साथ विकास से जोडकर देखती है। भारत हमेशा से शान्तिप्रिय देश है, दुनिया को यह बेहतर तरीके से समझाने का काम किया कलाम साहब ने।

डॉ.कलाम ने अपनी बेशकीमती धरोहर के रूप में देश को कई पुस्तकें समर्पित की- इंडिया 2020 ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, माई जर्नी तथा इग्नाटिड माइंड्स-अनलीशिंग द पॉवर विदिन इंडिया, विंग्स ऑफ फायर, एनविजनिंग अन एमपावर्ड नेशन : टेक्नालॉजी फार सोसाइटल ट्रांसफारमेशन आदि।

डॉ. कलाम ने सितंबर 1985 में त्रिशूल, फरवरी 1988 में पृथ्वी, मई 1989 में रूस के साथ मिलकर सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. कलाम के इस जज्बे को सलाम करते हुए देश उन्हें मिसाइल मैन के नाम से संबोधित करता है। डॉ. कलाम को 1981 में भारत सरकार ने पद्म भूषण, 1990 में पदम् विभूषण और 1997 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया।

डॉ. कलाम का कहना था कि 'मेरे ख्याल से मेरे वतन के नौजवानों को एक साफ नज़रिए और दिशा की जरूरत है। वो भारत को वैश्विक परिदृश्य में विकसित देशों की श्रेणी में देखना चाहते थे। वो कहते थे 'काश! हर हिंदुस्तानी के दिल में जलती हुई लौ को पंख लग जाए और उस लौ की परवाज़ से सारा आसमान रौशन हो जाए।' कलाम साहब की बेमिसाल शख़्सियत भारत के हर नौजवान की वास्तविक धरोहर है, जिसे वो सदियों सहेज के रखने का प्रयास करेगा।

हजारों साल नर्गिस अपनी बे -नूरी पे रोती है

बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदा-वर पैदा।

मशहूर शायर अल्लामा इकबाल साहब ने ये शेर भले ही किसी खास शख्सियत के लिए लिखा हो लेकिन यदि यह कहें कि मौजूदा दौर में भारत रत्न डॉ. ऐ पी जे कलाम साहब पर सही साबित होता है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। (लेखिका- नाज़ परवीन / ईएमएस)

ई वी एम संदिग्धता : या इलाही ये माजरा क्या है ?

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज़ द्वारा किये गए एक्ज़िट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया बल्कि बड़े बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया। मज़े की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गदगद नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा भी यह एहसास था कि किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना व पहलवानों जैसे ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी संभावना के तहत भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। इस क़वायद के बावजूद 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गये। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हज़ार से भी कम है।

आठ अक्टूबर को जब सुबह मतगणना शुरू हुई उस समय एग्ज़िट पोल द्वारा घोषित पूर्वानुमानों के अनुरूप ही कांग्रेस की भारी जीत के रुझान सामने आने लगे। बताया गया कि बैलट पेपर की गिनती में कांग्रेस तेज़ी से आगे जा रही थी परन्तु जैसे ही ई वी एम के मतों की गिनती शुरू हुई आंकड़ों ने उसी तेज़ी से करवट लेना शुरू कर दिया। उसी समय पूरे देश के सोशल मीडिया पर यह संदेह ज़ाहिर किया जाने लगा कि क्या भाजपा द्वारा फिर खेला कर दिया गया ? और शाम होते होते भाजपा राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत दर्ज करने व ज़रूरी बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चली। जबकि एक्ज़िट पोल के अनुसार 50 से 65 सीटें जीतने की उम्मीद रखने वाली कांग्रेस को मात्र 37 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इन चुनाव परिणामों ने निश्चित रूप से सभी को हैरान इसलिये भी कर दिया क्योंकि राज्य से भाजपा की हरियाणा में सत्ता से विदाई की रिपोर्ट्स केवल मीडिया आधारित नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा के सरकारी एजेंसीज़ ने भी यही फ़ीड बैक दिया था। इसीलिये भाजपा के पक्ष में आये इन अप्रत्याशित परिणामों को लेकर संदेह पैदा होना स्वभाविक भी था। और इसतरह निशाने पर एक बार फिर ई वी एम आ गयी। कांग्रेस ने सीधा आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कई जगह ई वी एम को हैक किया गया है। यह सवाल भी उठा कि अनेक ई वी एम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95 ℨ तक दिखा रही थी जबकि मतदान के अंतिम समय में प्राय: ई वी एम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60 से 70ℨ के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप है कि जहां जहां ई वी एम में बैटरी कम थी उनमें प्राय: कांग्रेस को बढ़त मिली है। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ई वी एम को बदल दिया गया। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इसतरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज की गई है।

सवाल यह है कि जब राहुल गांधी ने 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि राजा की आत्मा ईवीएम में है , उस समय केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि एम के स्टालिन व फ़ारूक़ अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फ़ारूक़ अब्दुल्ला की नेशनल कॉंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों ? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन के बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ई वी एम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ई वी एम ठीक थी ?

और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ई वी एम को ही ग़लत बताते हैं फिर आख़िर अब तक पूरे विपक्ष ने मिलकर ई वी एम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया ? यहाँ तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा चलाये जा रहे ई वी एम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुलकर साथ नहीं दिया ? यदि वास्तव में ई वी एम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिये घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिये। यहाँ तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता,तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ई वी एम पर संदेह करता है तो इसके द्वारा होने वाले चुनावों का बहिष्कार तक किया जाना चाहिये। क्योंकि सच तो यह है कि ई वी एम पर शुरुआती संदेह की उंगली तो भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा ही उठाई गयी थी। वैसे भी इसकी संदिग्धता को लेकर इसलिये भी सवाल उठते रहते हैं कि आख़िर दुनिया के अनेक आधुनिक देशों ने इसका प्रचलन अपने देशों में क्यों बंद कर दिया ? और आधुनिक होने के बावजूद ऐसे देशों में आज भी चुनाव बैलट पेपर द्वारा ही क्यों कराये जाते हैं ? ई वी एम की संदिग्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट, पारदर्शी व सर्वस्वीकार्य होनी चाहिये। बेईमानी पर आधारित लोकतंत्र वास्तविक लोकतंत्र का परिचायक नहीं हो सकता। (लेखक – तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

सनातन संस्कृति के भाव को जगाने हेतु संघ की स्थापना विजयादशमी के दिन ही क्यों हुई

भारतीय परंपरा में, ''आश्विन शुक्ल दशमी'' को, अक्षय स्फूर्ति, शक्तिपूजा एवं विजय प्राप्ति का दिवस माना जाता है। किसी भी शुभ, सात्विक एवं राष्ट्र गौरवकारी कार्य को प्रारंभ करने के लिए यह मुहूर्त सर्वोत्तम माना गया है। विजयादशमी का यह उत्सव आसुरी शक्तियों पर दैवी शक्तियों की विजय का प्रतीक है।

विजयादशमी के दिन ही सतयुग में भगवती मां दुर्गा के रूप में दैवी शक्ति ने महिषासुर का मर्दन किया था। त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने वनवासियों का सहयोग लेकर, उन्हें संगठित कर तथा सेतु-निर्माण कर, दुष्ट रावण की आसुरी शक्तियों का विनाश किया था। तथा, इसी प्रकार द्वापरयुग में श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन में दैवी शक्तियों ने आसुरी शक्तियों का विध्वंस किया था। कलयुग में प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिंदुत्व का स्वाभिमान लेकर हिंदू पद-पादशाही की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा सीमोल्लंघन की परंपरा का प्रारंभ भी इसी पावन दिवस पर किया गया था। और, रामलीला तथा दुर्गापूजा इन दोनों उत्सवों को, इस विजयशाली दिवस की पावन स्मृति को, लोकमानस में बनाए रखने की दृष्टि से ही, मनाया जाता है।विजयादशमी के पावन दिवस पर शस्त्र-पूजन की परंपरा भी है। 12 वर्ष के वनवास तथा 1 वर्ष के अज्ञातवास के पश्चात् पांडवों ने अपने शस्त्रों का पूजन इसी दिन किया था तथा उन्हें पुनः धारण किया था।

विजयादशमी के दिन ही, परमपूज्य आद्य सरसंघचालक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी ने नागपुर के मोहिते के बाड़े में संवत् 1983 तदनुसार 27 सितंबर 1925 ईसवी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी, अर्थात् राष्ट्र जीवन में शक्ति का निर्माण करने के लिए संकल्पित संघ का कार्य भी इसी दिन के शुभ मुहूर्त से प्रारंभ हुआ था। वर्ष 2014 में विजयादशमी दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, अर्थात्, संघ का यह सौवां विजयादशमी उत्सव है।

मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासनकाल के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था। हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षो तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। साथ ही, जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि 'संघ शक्ति कलौ युगे अर्थात् कलयुग में संगठन ही सर्वोपरि है। इस वाक्य के अनुरूप ही संघ में संगठन को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव-जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुनः प्रतिष्ठित किया जाए। इस प्रकार, संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। मार्च, 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा की बैठक में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है - वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त और मुखर होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ''हिंदू'' शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि ''सही अर्थों में एक हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए''।

स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं इस महान कार्य को आगे बढ़ाते हुए ''स्व'' के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। संघ की शाखाओं में अनोखी पद्धति का अनुपालन करते हुए युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव विकसित किया जाता है। शाखा की इस अनोखी पद्धति की सराहना आज पूरे विश्व में ही की जा रही है। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जाय।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, ''हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र, जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है ष्ठष्ठ यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकारी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।''

वस्तुतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आज भी लक्ष्य हिंदुओं को जाति, क्षेत्र और भाषा के कृत्रिम विभाजन के चलते उत्पन्न सामाजिक सांस्कृतिक विरोधाभासों से उबारना है। इसकी आकांक्षा है कि भारत को विश्व गुरु का स्थान अपने कृतत्व, दर्शन और सांस्कृतिक प्रभाव से पुनः मिले। भारतीय समाज को संघ के इन प्रयासों से अपने आप को जोड़ना चाहिए तभी भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

हाल ही के समय में हिंदू समाज में दिखाई दे रही एकरसता के चलते भारत का रुतबा वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, यह परिणाम स्पष्ट तौर पर दिखाई देने लगा है। भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में अमेरिका, रूस, जापान, चीन, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स जैसे पश्चिमी देशों के नाम ही सुनाई देते रहे हैं। यूनाइटेड नेशन्स में वीटो पावर भी इन्हीं देशों के पास रही है। भारत का इस दृष्टि से दूर दूर तक नाम दिखाई नहीं देता था। परंतु, आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। ''एशिया पावर इंडेक्स 2024'' नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। यहां यह ध्यान देने योग्य बात है कि भारत का विकास स्पर्धा के लिए नहीं है, बल्कि पूरे विश्व में अच्छा वातावरण बनाने तथा शांति स्थापित करने के लिए है क्योंकि भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना में विश्वास रखता हैं। (लेखक- प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8158

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8157 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

6 जी की दौड़ में आगे बढ़ रहा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत 6जी प्रौद्योगिकी के पेटेंट की होड़ में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अलग-अलग अध्ययनों के आधार पर भारत इस मामले में दुनिया में चौथे से छठे स्थान पर है। दिल्ली एशिया में 15 अक्टूबर से पहली बार में विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली (डब्ल्यूटीएसए) की मेजबानी कर रहा है और यह 6जी के लिए मानक निर्धारण में इसके प्रभाव और भूमिका को निर्धारित कर सकती है। यह सम्मेलन 190 देशों के प्रतिनिधियों को 6जी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा जैसी महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए भविष्य के मानक पर चर्चा करने का मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत का लक्ष्य आईपी का प्रमुख प्रदाता बनना और किफायती 6जी समाधान उपलब्ध कराना है। वैश्विक आईपी प्रबंधन सेवाओं के लिए पेटेंट तथा ट्रेडमार्क लाइफ साइकल- मैक्सवेल के आंकड़ों के अनुसार भारत 188 6जी पेटेंट के साथ दुनिया में छठे स्थान पर है। चीन 6,001 पेटेंट के साथ सबसे आगे है जबकि दूसरे स्थान पर 3,909 पेटेंट के साथ अमेरिका का कब्जा है। इसके बाद दक्षिण कोरिया (1,417), जापान (584) और यूरोपीय संघ (214) का स्थान आता है। ब्रिटेन (151), जर्मनी (84), स्वीडन (74) और फ्रांस (73) 6जी पेटेंट के मामले में भारत से पीछे हैं। ब्रिटेन के एक अध्ययन के अनुसार पिछले साल अप्रैल में भारत 265 पेटेंट के साथ चौथे नंबर पर था। इससे ऊपर चीन (4,604), अमेरिका (2,229) और दक्षिण कोरिया (760) थे। आंकड़ों से स्पष्ट है कि भारत की स्थिति तेजी से बदली है। अगस्त 2021 में जापान के निक्केई और साइबर क्रिएटिव इंस्टीटयूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया कि 6जी पेटेंट में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.3 फीसदी थी। वहीं 35.5 फीसदी के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर था। उसके बाद जापान (9.9 फीसदी), यूरोप (8.9 फीसदी) और दक्षिण कोरिया (4.2 फीसदी) का स्थान था जबकि कुल 6जी पेटेंट में भारत की हिस्सेदारी महज 1.5 फीसदी बताई गई थी। कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जहां भारत ने 6जी पेटेंट हासिल किया है। देश के कुल पेटेंट में ज्यादातर ब्लॉकचेन और डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर तकनीक क्षेत्र में है।

सम्पादकीय

खेल - समाचार

संन्यास की घोषणा कर सकती हैं रानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम से बाहर चल रहीं पूर्व कप्तान रानी रामपाल शीघ्र ही खेल से संन्यास ले सकती हैं। रानी को पिछले तीन साल से भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। ऐसे में कहा जा रहा है कि वह वह भारत-जर्मनी मैच के दौरान खेल को अलविदा कह सकती हैं।

रानी ने साल 2008 में भारत की ओर से खेलना शुरु किया था। उन्होंने अब तक 254 मैचों में 120 गोल दागे हैं। वह साल 2018 में हुए एशियाई खेलों में रजत और 2014 के एशियाड में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम का भी अहम हिस्सा रहीं थीं। इसके अलावा रानी रामपाल की कप्तान में ही भारतीय महिला हॉकी टीम टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थन पर रही थी। ओलंपिक के बाद कोच श्योर्ड मरीन्ये ने पद छोड़ दिया था। इसके आद उनकी जगह यानेक शॉपमैन कोच बनी थीं। तब कहा गया था कि कि यानेक और रानी के बीच मतभेद उभर गये थी। इस कारण साल 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 6 मुकाबलों में 18 गोल करने के बाद भी रानी को वापसी का अवसर नहीं मिला।

ऑस्ट्रेलिया को झटका , बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से बाहर हुए ग्रीन

सिडनी (ईएमएस)! ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पीठ भारतीय टीम के खिलाफ अगले माह होने वाली बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। ग्रीन के पीठ में लगी चोट की सर्जरी होने वाली है। इस कारण वह परे सत्र से ही बाहर हो गये हैं। इंग्लैंड दौरे पर ग्रीन को चोट लगी थी, जिसके बाद अब उन्हें सर्जरी से गुजरना होगा। इस ऑलराउंड का बाहर होना मेजबान टीम के लिए करारा झटका है।

वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के विशेषज पैनल के अनुसार ग्रीन की सर्जरी ही उनके लिए अंतिम विकल्प है। वहीं पहले माना जा रहा था कि भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले वह फिट हो जाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के बाद ही ग्रीन को पीठ में दर्द हुआ था। उसके बाद वह स्वदेश लौट आए थे। इस कारण उनका इंग्लैंड में भी स्कैन हुआ था और फिर ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेडिकल टीम ने उनका स्कैन किया था

ग्रीन को इससे पहले भी चार बार स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ है। वहीं । ग्रीन अगर बिना सर्जरी के भी खेल पाते तो वह सिर्फ बतौर बल्लेबाज ही खेलते। ग्रीन के नहीं होने से अब ऑस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी क्रम में भी बदलाव करने होंगे। ऐसे में स्टीव स्मिथ एक बार फिर नंबर-4 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। वहीं अब ऑस्ट्रेलियाई टीम शील्ड क्रिकेट से किसी सलामी बल्लेबाज को स्क्वॉड में शामिल कर सकती है, जिसमें मार्कस हैरिस, कैमरन बैनक्रॉफ़्ट और मैट रेनशॉ जैसे खिलाड़ी हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम तैयार

मुम्बई (ईएमएस)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम अब न्यूजीलैंड से मुकाबले को तैयार है।. भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 16 अक्टूबर से खेली जाएगी। इसके मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे। इस सीरीज के लिए रोहित और विराट कोहली बेंगलुरु पहुंच गये हैं। भारतीय टीम इस सीरीज को जीतकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंचना चाहेगी। प्रारुप बदलने के साथ भारतीय टीम का कप्तान भी बदल गया। सूर्या की कप्तानी में टी20 सीरीज खेलने बाद अब टेस्ट के लिए रोहित शर्मा कमान संभालेंगे।

रोहित की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। इस टीम के खिलाफ भारतीय टीम कोई कमी नहीं रखना चाहेगी। ये सीरीज भारतीय टीम लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले अभ्यास का अच्छा अवसर देगी। भारतीय टीम को इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का अहम दौरा करना है। इस दौरे पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत दोनों टीमें 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में खेला जाएगा जबकि तीसरा और आखिरी टेस्ट 1 नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा।

भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सोलह अक्टूबर से पहला टेस्ट खेलेगी। भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाने वाली दोनों सीरीज में जीत दर्ज करनी होगी। भारतीय टीम की नजर लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने पर है। पहली बार उसे फाइनल में न्यूजीलैंड ने हराया था जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड को अपने घर में सभी मैच हराने होंगें। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 15 सदस्यीय मजबूत टीम की घोषणा की है।

भारतीय महिला टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें न्यूजीलैंड और पाक मैच पर टिकीं

शारजाह (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम का महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचना अब कठिन है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद भारतीय टीम के अब 2 मैचों में 4 अंक हैं और वह ग्रुप ए में बेहतर रेट के आधार दूसरे नंबर पर है। वहीं न्यूजीलैंड के भी 2 जीत से चार अंक हैं पर उसका नेट रनरेट भारतीय टीम ने कम है। वहीं न्यूजीलैंड को अगर पाक टीम हरा देती है तो भारतीय टीम आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। भारत का नेट रन रेट 0.322 है, जबकि न्यूजीलैंड का 0.282 है। अगर पाकिस्तान न्यूजीलैंड को 53 या उससे ज्यादा रन से हराता है तो वो भारत और न्यूजीलैंड को पीछे छोड़कर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। .

भारतीय टीम को पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार मिली जिसके बाद भारतीय टीम के अभियान को झटका लगा। भारत ने इसके बाद पाकिस्तान और श्रीलंका को हराकर वापसी के प्रयास किये पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद फिर उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है।

न्यूजीलैंड 4 अंक लेकर भारत से नीचे तीसरे नंबर पर है। पाकिस्तान की टीम 2 अंक लेकर चौथे नंबर पर है।

अगर न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हरा दिया तो भारतीय टीम बाहर हो जाएगी और ग्रुप से ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगी। वहीं अगर पाकिस्तान ने बड़े अंतर से न्यूजीलैंड को हरा दिया तो फिर न्यूजीलैंड और भारत के बीच नेट रनरेट का मामला आयेगा। ऐसे में पाकिस्तान की टीम भारत को सेमीफाइनल का टिकट दिला देगी क्योंकि कीवी टीम का नेट रनरेट भारत से कम है। अगर पाक जीतता है तो फिर भारत पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के नेट रनरेट देखे जाएंगे। ऐसे में भारत अंतिम चार में पहुंच जाएगी।

अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने युवा क्रिकेटरों को खेल के टिप्स देंगे सचिन

ह्यूस्टन (ईएमएस)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) में युवा क्रिकेटरों को खेल के टिप्स देंगे। सचिन राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान आयोजित एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में इन युवा क्रिकेटरों को ये टिप्स देंगे। तेंदुलकर ने कहा कि आज वह जहां पर है क्रिकेट की बदौलत ही हैं, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से सभी कुछ हासिल किया जा सकता है।

वहीं राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी को लेकर कहा कि ये एक अहम उपलब्धि है। यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा कार्यक्रम है। सचिन जैसे महान क्रिकेटर से युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन मिलने से उन्हें काफी लाभ होगा। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से समर्थन प्राप्त एनसीएल से और भी कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर जुड़े रहे हैं। इसमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स जैसे नाम हैं। इसके अलावा इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ी भी अपनी सेवाएं देंगे। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

पाक टीम से अब कोई उम्मीदें नहीं बचीं : शोएब अख्तर

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की है। पाक टीम को बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही टीम सबके पूर्व दिग्गजों के निशाने पर है। तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक शो के दौरान कहा कि टीम हर क्षेत्र में खराब खेल रही है। अख्तर ने कहा कि, जो बोएंगे वही काटेंगे। टीम के हालात बहुत खराब है हार जीत होती रहती है पर मैच में संघर्ष तो करना चाहिये। यहां तो टीम मुकाबला ही नहीं कर पायी। पिछले दो दिनों में हमने जो देखा, उससे कहें अब कोई उम्मीद नहीं बची है। इससे पता चलता है कि हम अच्छा नहीं कर सक रहे हैं। पहले बांग्लादेश के खिलाफ दोनो मैच हारे और उसके बाद इंग्लैंड ने 800 से ज्यादा रन बनाकर पारी से हराया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि प्रशंसक भी कह रहे हैं कि पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट खेलना बंद कर देना चाहिए।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद सेंसेक्स 592 अंक , निफ्टी 163 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ । बाजार में ये तेजी दूनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवावी हावी रहने से आई है। वहीं इससे पहले के अंतिम कारोबारी दिन बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी उछलकर बंद हुए। इसके अलावा वित्तीय और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में भी बढ़त रहीं। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.73 फसदी या 591.69 अंक ऊपर आकर 81,973.05 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी भी 0.66 फीसदी तकरीबन 163.70 अंक ऊपर आकर 25,127.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.86 फीसदी बढ़ा। इस दौरान एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक और महिंद्रा के शेयर लाभ के साथ ही उछले हैं।

वहीं दूसरी ओर मारुति का शेयर 1.85 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट,नेस्ले इंडिया, टीसीएस और टाटा मोटर्स के शेयर भी नीचे आये।

निवेशकों का ध्यान अब सितंबर के घरेलू मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगा। यह आंकड़े तय करेंगे कि केंद्रीय बैंक आरबीआई ब्याज दरों में कितनी कमी करेगा। निवेशक ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेतों पर नजर गड़ाए हुए हैं और सतर्क रुख अपना रहे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार कंपनियों के दूसरी तिमाही के परिणाम कमजोर रहने और तेल की कीमतों में गिरावट के बीच ही भारतीय बाजार आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर खरीदारी से ऊपर आया है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 210.37 अंक बढ़कर 81,591.73 पर खुला। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी-50 59.20 अंक की तेजी के साथ 25,023 पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

महंगी सब्जियों ने बिगाड़ दिया अर्थव्यवस्था और रसोई का पूरा गणित

नई दिल्ली (ईएमएस)। महंगी सब्जियों ने अर्थव्यवस्था के साथ महिलाओं की रसाई का गुणा-गणित बिगाड़ दिया है। दरअसल खाद्य वस्तुओं, खासकर सब्जियों के महंगे होने से थोक मूल्य महंगाई (डब्ल्यूपीआई) सितंबर में बढ़कर 1.84 प्रतिशत हुई। मोदी सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में इसकी जानकारी दी गई।

अगस्त में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 1.31 प्रतिशत थी। पिछले साल सितंबर में यह 0.07 प्रतिशत घटी थी। खाद्य मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 11.53 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में यह 3.11 प्रतिशत थी। आलू और प्याज की मुद्रास्फीति सितंबर में क्रमशः 78.13 और 78.82 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रही। ईंधन और बिजली श्रेणी में सितंबर में 4.05 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अगस्त में 0.67 प्रतिशत की अपस्फीति हुई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, सितंबर, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों के निर्माण, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई दर 2.42 प्रतिशत से बढ़कर 6.6 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 3.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.47 प्रतिशत रही। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर -0.67 प्रतिशत से घटकर 4.05 प्रतिशत रही।

आसमानी बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत, 2 अस्पताल में उपचाराधीन

भरुच (ईएमएस) अक्टूबर का आधा महीना बीत चूका है, लेकिन रुक रुक कर बारिश का दौर अब भी जारी है हांलाकि मौसम विभाग ने पहले ही नवरात्रि के दौरान भी बारिश की भविष्यवाणी की थी और उसके मुताबिक गुजरात के कई जिलों में बारिश हुई भी रविवार को भरुच जिले में बारिश के दौरान आसमानी बिजली चार लोगों को लील गई जबकि गंभीर रूप से घायल दो लोगों का अस्पताल में उपचार चल रहा है जानकारी के मुताबिक भरूच जिले में रविवार शाम को अचानक मौसम का मिजाज बदला और गरज के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई उस दौरान भरुच जिले की पालेज तहसील के पड़रिया गांव के बाहरी इलाके में बारिश में भीगने से बचने के लिए 5 लोग बरगद के पेड़ के नीचे खड़े थे तभी अचानक बिजली गिरने से पेड़ के नीचे खड़े पांच लोग वहीं गिर पड़े हादसे के बाद पांचों घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने 59 वर्षीय हबीब अकबर मलेक और 37 वर्षीय शकील हबीब मलेक के अलावा 28 वर्षीय मनीष सुरेश वसावा को मृत घोषित कर दिया जबकि अन्य दो लोगों का अस्पताल में उपचार चल रहा है सभी मृतक करजण तहसील के निवासी थे और उसमें दो पिता-पुत्र थे इसके अलावा भरूच जिले के हांसोट तहसील के अंभेटा गांव में भी बिजली गिरने से 28 वर्षीय सुनील वसावा की मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब सुनील मछली पकड़ कर अपने घर लौट रहा था केवल एक घंटे की बारिश के दौरान आसमानी बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई

इजराइल अब चहुंओर से घिरा, कर सकता है ईरान पर बड़ा हमला

तेहरान,(ईएमएस)। यहां ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें क्या दागीं, नेतन्याहू के सुर बदले-बदले नजर आने लगे हैं।

ईरान से हर कीमत पर बदला लेने की बात कर रहे इजराइल पर अमेरिका ने शक जाहिर किया है कि इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों के साथ ही तेल की जगहों को निशाना बना सकता है। इस पर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दे दी है। वैसे इजराइल को और हमले नहीं करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समेत अमेरिका जैसे अनेक देशों ने कहा है, लेकिन वो किसी की नहीं सुन रहे हैं। इस जिद के कारण नेतन्याहू दुनियां में अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से सूत्रों ने जानकारी दी है कि अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल जवाबी कार्रवाई के दौरान ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। वहीं दूसरी तरफ पहले से ही ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने की आशंका जताई जा चुकी है। ऐसे हालात में ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों से स्पष्ट कह दिया है कि यदि इजराइल ने हमला किया तो उसका जवाब वो जरूर देगा। हमास से चल रही जंग के बीच ईरान से शुरु हुई तनातनी के बीच नेतन्याहू ने एक बार फिर कैबिनेट बैठक कर रहे हैं। इस बैठक को लेकर सभी की नजरें उन पर टिकी हुई हैं। इससे पहले शुक्रवार को भी बैठक की गई थी, लेकिन कोई फैसला बैठक के दौरान नहीं लिया जा सका था। इससे स्पष्ट है कि नेतन्याहू अब इस जंग में अकेले पड़ते जा रहे हैं।

इजराइल और हमास के बीच जारी जंग को एक साल से पूरा हो चुका है। ऐसे में जबकि संयुक्त राष्ट्र कई दफा इजराइल के हमलों को बंद करने की बात कह चुका है, अब अमेरिका ने भी यही बात कहनी शुरु कर दी है। बावजूद इसके यह जंग खत्म होने की बजाय बढ़ने के साथ विस्तारित भी होती जा रही है। इस जंग में सात ओर से घिरे इजराइल के नागरिकों ने भी नेतन्याहू के खिलाफ देश में ही मोर्चा खोला हुआ है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि इजराइल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह समेत अनेक नेताओं को मौत के घाट तो उतार दिया, लेकिन ईरान से भी उसने पंगा ले लिया है। दरअसल हिजबुल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए ईरान ने 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें दागी थीं। ऐसे में अमेरिका को शंका है कि इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों समेत प्रमुख ठिकानों को निशाना बना सकता है। ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को इजराइल निशाना बना सकता है, इसकी आशंका पहले ही अमेरिका जाहिर कर चुका है और अब सवाल किए जा रहे हैं कि ऐसा हुआ तो आगे क्या होगा? दूसरी तरफ ईरान ने भी इजराल को हर हमले का जवाब देने की बात कहकर खाड़ी देशों से भी संगठित होने की बात कह दी है। इजराइल बैरूत पर हमले जारी रखे हुए है, जिसकी जद में संयुक्त राष्ट्र के सेवा व शांति कार्य में लगे कर्मी भी आ रहे हैं। यही वजह है कि इस जंग में अब इजराइल अलग-थलग पड़ता नजर आया है।

15 और 16 अक्टूबर को रेलवे क्रॉसिंग नं. 10-SPL (नरोड़ा GIDC फाटक) बंद रहेगा

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल के अहमदाबाद-हिम्मतनगर-उदयपुर रेल लाइन पर असारवा-नरोडा सेक्शन में स्थित रेलवे क्रॉसिंग संख्या 10 एस्थ किमी 399/2-3 (नरोड़ा उच्च फाटक) मरम्मत एवं रखरखाव कार्य हेतु 15 अक्टूबर को प्रातः 08:00 बजे से 16 अक्टूबर को सायः 18:00 बजे तक (2 दिन) बंद रहेगा। सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान नरोड़ा रोड ओवर ब्रिज और रिंगरोड रोड ओवर ब्रिज से आवागमन कर सकते हैं।

स्किल इंडिया मिशन के लिए एआई असिस्टेंट और वीआर/एमआर में 5 उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने मेटा के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर, 2024 - कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने दो पहलों के शुभारंभ के लिए आज मेटा के साथ साझेदारी की घोषणा की है। ये पहल हैं- स्किल इंडिया मिशन के लिए एक एआई असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और मिक्स्ड रियलिटी (एमआर) में 5 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करना। इसके तहत, स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल पर शिक्षार्थियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल द्वारा संचालित एक अभिनव एआई-आधारित चैटबॉट विकसित किया जाएगा। मेटा के ओपन-सोर्स एआई मॉडल को भारत के एआई इकोसिस्टम के लिए सुलभ बनाकर, हम भारत के एआई मिशन के अनुरूप एक सहयोगी ई-गवर्नेंस फ्रेमवर्क की कल्पना करते हैं। इस फ्रेमवर्क के तहत बड़े पैमाने पर सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को तेजी से आगे बढ़ाने की क्षमता वाले प्रभावशाली एआई समाधानों को अपनाने के प्रयासों में तेजी लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा, हैदराबाद, बेंगलुरु, जोधपुर, चेन्नई और कानपुर में स्थित राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में 5 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) कायम किए जाएंगे। ये केंद्र शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण में मौजूदा कौशल सीखने और बढ़ाने के लिए नवीनतम वीआर तकनीक से लैस करेंगे।

एआई असिस्टेंट पर साझेदारी का उद्देश्य सूचना पहुँच को सुव्यवस्थित करना, सीखने के परिणामों में सुधार करना और छात्रों को सहज डिजिटल इंटरफ़ेस के माध्यम से सहज सहायता प्रदान करना है। 5 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) रियलिस्टक सिमुलेशन भी प्रदान करेंगे, जुड़ाव में सुधार करेंगे और कौशल विकास प्रशिक्षण तक पहुँच बढ़ाएँगे।

विदेश से पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करना जरूरी: दास

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा ?कि विदेशों से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत को कम करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह महत्वपूर्ण है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है। दास ने सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान कहा ?कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण पहला कदम है। हमारा मानना है कि इस तरह के धन प्रेषण की लागत और समय को काफी कम करने की अपार संभावनाएं हैं। डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं।

आरबीआई की ओर से शुरू किए गए ई-रूपी पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है। आगे बढ़ते हुए, मानकों और अंतर-संचालन में सामंजस्य सीबीडीसी को सीमा पार भुगतान और क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी गंभीर वित्तीय स्थिरता चिंताओं को दूर करने में सक्षम बनाएगा। आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और आंकड़ों के लीक होने का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा ?कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम उपाय करने चाहिए। बैंकों को एआई और बिगटेक फायदों का लाभ उठाना चाहिए।

कलर्स के 'बिग बॉस 18' में चाहत पांडेः ''मेरी सकारात्मकता सबसे अलग दिखेगी!''

रियलिटी टेलीविज़न के बाप के बारे में आप जो कुछ भी जानते थे, वह सबकुछ भूलने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि इसके सबसे प्रतिष्ठित तकियाकलाम का मेकओवर किया जा रहा है! मनोरंजन की घड़ी पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ी से टिकटॉक कर रही है, क्योंकि कलर्स ने अपने पसंदीदा कल्ट रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नए सीज़न की शुरुआत कर दी है।

इस सीज़न में टेलीविज़न शो में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध, लोकप्रिय भारतीय टेलीविज़न अदाकारा चाहत पांडे एक प्रतियोगी के रूप में शामिल होने वाली हैं।

देखिए 'बिग बॉस', जिसके प्रायोजक हैं बेलाविटा परफ्यूम्स, वैसलीन बॉडी लोशन और पारले 20-20 कुकीज़, स्पेशल पार्टनर चिंग्स शेज़वान चटनी और गो चीज़, ब्यूटी पार्टनर ब्लू हेवन, हाइजीन पार्टनर हार्पिक डिसइन्फेक्टेंट बाथरूम क्लीनर और एसोसिएट पार्टनर गैलेक्सी चॉकलेट्स, हर सोमवार से शुक्रवार रात 10 बजे और शनिवार - रविवार रात 9.30 बजे केवल कलर्स पर और प्रीमियम ग्राहकों के लिए जियो सिनेमा पर 24 घंटे लाइव चैनल पर देखें।

भारतीय मानक ब्यूरो ने विश्व मानक दिवस 2024 मनाया सतत विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का समर्थन किया

अहमदाबाद : भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आज विश्व मानक दिवस 2024 मनाया, जो इस वर्ष की वैश्विक थीम, ठएक बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोणठ के अनुरूप है। यह थीम सतत विकास लक्ष्य 9 (एसडीजी 9) - उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे को रेखांकित करती है - मानकीकरण के माध्यम से स्थिरता, नवाचार और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए बीआईएस की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

इस मुख्य कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी, माननीय राज्य मंत्री, श्री बी.एल. वर्मा, उपभोक्ता मामलों की सचिव, श्रीमती निधि खरे, आईएएस, उपभोक्ता मामले सचिव और बीआईएस के महानिदेशक, श्री प्रमोद कुमार तिवारी, आईएएस सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के प्रमुख हितधारक भी उपस्थित थे।

अपने स्वागत भाषण में, बीआईएस की डीडीजी (टीएनएमडी), श्रीमती चित्रा गुप्ता ने विश्व मानक दिवस समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की, उन्होंने कहा, ठआज, हम उन लोगों के समर्पण का सम्मान करते हैं जो जीवन को बेहतर बनाने और वैश्विक सद्भाव को बढ़ावा देने वाले मानकों का विकास करते हैं। इस वर्ष की थीम, 'एक बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण', सतत विकास लक्ष्य 9 पर प्रकाश डालती है - जो उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है। भारतीय मानक ब्यूरो नवाचार, लचीलापन और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।उन्होंने आगे कहा, ठआइए हम दुनिया भर के विशेषज्ञों के सामूहिक प्रयासों का सम्मान करें और आज की चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लें क्योंकि हम एक उज्जवल, टिकाऊ भविष्य की दिशा में काम करते हैंठ

गुजरात को देश की आर्थिक महासत्ता बनाने में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की भूमिका महत्वपूर्ण

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अविरत मार्गदर्शन में गुजरात की अविरत विकास यात्रा के 23 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इन 23 वर्षों के दौरान गुजरात ने अनेक संकल्प-सिद्धियाँ प्राप्त की हैं। इसकी विकास गाथा जन-जन में उजागर करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में 7 से 15 अक्टूबर के दौरान 'विकास सप्ताह' मनाया जा रहा है। वर्ष 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य में शुरू हुई 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' (वीजीजीएस) का उल्लेख किए बिना गुजरात की विकास यात्रा तथा विकास सप्ताह उत्सव; दोनों अधूरे हैं। 7 अक्टूबर, 2001 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को देश की आर्थिक महासत्ता बनाने के लिए निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य के साथ 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की परिकल्पना की थी और इसके बाद कॉर्पोरेट लीडर्स, विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों, थॉट लीडर्स, पॉलिसी तथा ओपिनियन मेकर्स एक मंच पर लाने के लिए गुजरात में पहली बार वर्ष 2003 में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' का आयोजन किया गया था। गुजरात में अब तक आयोजित 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' के कुल 10 संस्करणों को भव्य सफलता मिली है। वीजीजीएस के इन दस संस्करणों गुजरात में कुल लगभग 103.37 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावित निवेश के साथ 2 लाख से अधिक एमओयू किए गए हैं। वीजीजीएस के फलस्वरूप अनेक प्रतिष्ठित एवं वैश्विक उद्योगों ने गुजरात में निवेश किया, जिसके कारण गुजरात आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बना है। गुजरात में वर्ष 2003 में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' का पहली बार आयोजन केवल 5 सहभागी संस्थानों, 200 प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) तथा 200 अग्रणी महानुभावों के साथ हुआ था। इस प्रथम वीजीजीएस में 66,000 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावित निवेश के साथ 80 एमओयू हुए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात में बोया गया यह बीज आज विशाल वटवृक्ष बन गया है। हाल ही में (जनवरी-2024) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व तथा उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत के मार्गदर्शन में आयोजित वीजीजीएस के 10वें संस्करण में 35 देश तथा 16 प्रतिष्ठित संस्थान सहभागी हुए थे। इतना ही नहीं; वीजीजीएस के 10वें संस्करण में लगभग 140 से अधिक देश एवं अधिक देश-विदेश के 61,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। 10वीं 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' अंतर्गत फरवरी, 2019 से जनवरी, 2024 तक गुजरात में लगभग 47.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावित निवेश के लिए 98,900 से अधिक एमओयू किए गए। फलस्वरूप सर्वसमावेशी वृद्धि तथा टिकाऊ विकास के लिए जरूरी बिजनेस नेटवर्किंग, नॉलेज शेयरिंग तथा स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के लिए वीजीजीएस सबसे प्रतिष्ठित फोरम के रूप में प्रस्थापित हुई है।

वर्ष 2003 में आयोजित प्रथम वीजीजीएस को मिली अद्भुत सफलता के बाद इसके हर संस्करण को एग्जीबिटर्स व सहभागियों की ओर से असाधारण समर्थन मिला। लगभग 36 एग्जीबिटर्स के साथ आयोजित प्रथम संस्करण के बाद हाल में इस वीजीजीएस में 2,000 से अधिक एग्जीबिटर्स द्वारा एग्जीबिशन आयोजित किए गए हैं। 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' के फलस्वरूप वर्ष 2002-03 से 2022-23 के दौरान गुजरात की संयोजित वार्षिक विकास दर (सीएजीआर) 15 प्रतिशत पर पहुँची है, जो राष्ट्रीय औसत से भी अधिक है। इसके साथ ही सकल राज्य घरेलू उत्पाद की दृष्टि से भी गुजरात निरंतरतापूर्ण ढंग से देश में सबसे तेजी से विकास कर रहे राज्यों में से एक है। गुजरात की बेरोजगारी दर भी केवल 2.2 प्रतिशत है। वीजीजीएस के फलस्वरूप ही गुजरात औद्योगिक क्षेत्र में सबसे तेज गति से विकास करने वाला राज्य बना है। इतना ही नहीं; वीजीजीएस के फलस्वरूप ही गुजरात में सुजुकी, होंडा, हिटाची, टोयटा, बॉम्बार्डियर, बैंक ऑफ अमेरिका, डीबीएस, एबोट, एक्जोनोबल, बीएएसएफ, सोंगवोन, यूनिलीवर, प्रोक्टर एंड गैम्बल, बेयर्सडोर्फ, आर्सेलर मित्तल, पीओएससीओ, शेल, वेस्टास, वोपाक

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आज नई गुजरात टेक्सटाइल पॉलिसी-2024 लॉन्च करेंगे

- जीआईडीसी के 564 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का ई-लोकार्पण तथा ई-शिलान्यास किया जाएगा

- 5,500 औद्योगिक इकाइयों को 1,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की सहायता का वितरण

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2001 से राज्य का शासन दायित्व संभाल कर नीति आधारित विकास की मजबूत नींव डाली और गुजरात को पॉलिसी ड्रिवन स्टेट बनाया है। मोदी के सफल सुशासन के 23 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्यव्यापी विकास सप्ताह मनाया जा रहा है। इस विकास सप्ताह के दौरान विभिन्न थीम आधारित दिवस भी मनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र राज्य में विकास सप्ताह अंतर्गत कल मंगलवार 15 अक्टूबर को राजधानी गांधीनगर से नई गुजरात टेक्सटाइल पॉलिसी-2024 लॉन्च करेंगे। मौजूदा भू-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में इस नई टेक्सटाइल पॉलिसी की लॉन्चिंग एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल राज्य में विकास सप्ताह अंतर्गत औद्योगिक विकास को और अधिक तेज बनाने के लिए 15 अक्टूबर, 2024 को गांधीनगर से गुजरात टेक्सटाइल पॉलिसी लॉन्च करेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व एवं दिशादर्शन में इस विकास सप्ताह के दौरान विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास तथा विकास कार्यों की मंजूरी के उपक्रम आयोजित हो रहे हैं।

विकास सप्ताह उत्सव के अंतिम दिन 15 अक्टूबर, 2024 को उद्यमिता दिवस मनाया जाएगा और इसके हिस्से के रूप में राज्य में उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए नई गुजरात टेक्सटाइल पॉलिसी 2024 लॉन्च करने के साथ साथ विभिन्न प्रोत्साहक उपक्रमों का भी आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में जीआईडीसी के 564 करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का ई-लोकार्पण तथा ई-शिलान्यास किया जाएगा।

इनमें ई 418 करोड़ रुपए की लागत वाले विकास कार्यों का ई-शिलान्यास एवं 146 करोड़ रुपए की लागत वाली विकास परियोजनाओं का ई-लोकार्पण होगा, जिसकी राज्य को भेंट मिलेगी। इसके अलावा; महात्मा मंदिर, गांधीनगर के आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में इंसेंटिव टु इंडस्ट्रीज अंतर्गत 5,500 औद्योगिक इकाइयों को 1,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की सहायता का वितरण भी किया जाएगा।

डिजिटल गिरफ्तारी से पकड़े गए ठग गिरोह के17 सदस्य बनाते थे लोगों को शिकार

अहमदाबाद, 14 अक्टूबर

देशभर में डिजिटल गिरोह चलाने और लोगों से ठगी करने के मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच पुलिस ने ताइवान के चार लोगों समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया है. गुजरात पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी. डिजिटल गिरफ्तारी एक प्रकार का साइबर अपराध है। जिसमें पीड़ित को ऐसे जाल में फंसाया जाता है कि अधिकारी उन पर मादक पदार्थों की तस्करी या अन्य अपराधों के लिए नजर रखता है। कार्रवाई भी कर सकते हैं. जिसमें आरोपी द्वारा एक व्यक्ति को एकांत में रहने के लिए कहा जाता है और वीडियो कॉल या किसी अन्य ऑनलाइन माध्यम से बातचीत की जाती है। जिसके बाद पीड़ित को डराया-धमकाया जाता है और छुटकारा पाने के लिए विभिन्न बैंक खातों में बड़ी रकम जमा करने के लिए कहा जाता है।

संयुक्त आयुक्त (अपराध) शरद सिंघल ने कहा, गिरोह ने रुपये के आरबीआई मुद्दे को निपटाने के लिए एक वरिष्ठ नागरिक को 10 दिनों तक डिजिटल रूप से गिरफ्तार किया और वीडियो कॉल के माध्यम से उसकी निगरानी की। 79.34 लाख रुपये ट्रांसफर किये गये. पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ नागरिकों की शिकायत के बाद खुद को ट्राई, सीबीआई और साइबर क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताने वाले कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि बैंक खातों में अवैध लेनदेन हो रहा है.

दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र में कई जगहों पर छापेमारी की गई. देशभर में इस गैंग के 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से चार ताइवान के हैं. हमारा मानना है कि अब तक लगभग 1000 लोगों को निशाना बनाया गया है।

चार ताइवानी नागरिकों की पहचान मू ची सुंग (उम्र 42), चांग हू यूं (उम्र 33), वांग चुन वेई (उम्र 26) और शेन वेई (उम्र 35) के रूप में की गई है। बाकी 13 आरोपी गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान के रहने वाले हैं। ताइवान से चारों आरोपी पिछले एक साल से भारत आ रहे थे और गिरोह के सदस्यों के पैसे को एक खाते से दूसरे खाते में स्थानांतरित करने के लिए मोबाइल फोन ऐप और अन्य तकनीकों का उपयोग कर रहे थे।

सिंघल ने कहा, गिरोह जिस मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर रहा था, उसे आरोपियों ने ताइवान से बनाया था। उन्होंने अपने सिस्टम में एक ऑनलाइन वॉलेट भी जोड़ा। इस ऐप के जरिए पीड़ितों से पैसा दुबई के अन्य बैंक खातों और क्रिप्टो खातों में भेजा जाता था। ऐप के जरिए भेजे गए रुपयों के बदले उसे कमीशन भी मिलता था। गिरोह विभिन्न कॉल सेंटर भी चलाता था। पुलिस ने 12.75 लाख नकद, 761 सिम कार्ड, 120 मोबाइल फोन, 96 चेक बुक, 92 डेबिट और क्रेडिट कार्ड और लेनदेन से संबंधित खातों की 42 पासबुक जब्त कीं।

सौराष्ट्र में बिगड़ते मौसम के कारण जीरे की बुआई में देरी संभव

उंझा,14 अक्टूबर

मेहसाणा जिले सहित गुजरात के सबसे बड़े जीरा बाजार उंझा मार्केट यार्ड में नवरात्रि और दिवाली त्योहारों के आने के बावजूद, आय के मुकाबले आउटगोइंग की मांग समान बनी हुई है। फिलहाल उंझा एपीएमसी में जीरे की दैनिक आय 8 से 10 हजार गुना देखी जा रही है. जिसके विरूद्ध घरेलू एवं विदेशी निर्यात मांग 8 से 10 हजार बोरी है। कम और देर से बुआई के कारण मार्च के अंत में जीरा बाजार में आने की उम्मीद है। एक मन जीरे की औसत कीमत रु. 4800 से 5200 तक उपलब्ध हैं। जबकि अच्छे सामान की कीमत रु. 5000 से 5200 तक का जिक्र है.

चूंकि इस साल सौराष्ट्र में जीरे की बुआई के लिए जलवायु अनुकूल नहीं है, इसलिए संभावना है कि बुआई में अपने निर्धारित समय से एक महीने से अधिक की देरी होगी। जबकि राजस्थान और बनासकांठा में दिवाली से लेकर लाभपंचम तक जीरे की बुआई होने की संभावना है. काठियावाड़ समेत गुजरात में जीरे की बुआई एक महीने देरी से होगी. कम और देर से बुआई के कारण मार्च के अंत में जीरा बाजार में आने की उम्मीद है। देश में लगभग 40 से 50 लाख बोरी जीरे का निर्यात हुआ है. जबकि लगभग 32 से 33 लाख बोरी का निर्यात विदेशों में किया गया है। वर्तमान में काठियावाड़ में रायडू और लहसुन की अधिक खेती की उम्मीद के कारण जीरे की खेती कम हो रही है।

अंबालाल ने कहा कि देव दिवाली तक बारिश होगी

अहमदाबाद,14 अक्टूबर

दिवाली की तैयारी में आप बावा-जालन और घारी रतदा-मठिया तक ही सीमित रह सकते हैं, लेकिन दिवाली का नाश्ता कागज में बदल जाएगा, इसकी भविष्यवाणी करते हुए अंबालाल पटेल ने सुई से कहा है कि इस बार भगवान दिवाली तक गुजरात-महाराष्ट्र में ये बारिश होगी.असफल नहीं. इसलिए अगर आपदिवाली में पहनने के लिए साड़ी-सेलायाशरारा खरीदना चाहती हैं तो यातोउसे फोल्डकरलेंऔर अगर खरीद लिया है तो पैक करके रख लें।

अरब सागर में बने कुछ भंवरों और वेलमार्क निम्न दबाव प्रणाली के कारण पिछले दो-तीन दिनों में गुजरात के कई जिलों में बारिश हुई है। बारिश को लेकर मौसम विशेषज्ञ अंबालाल पटेल ने एक और अचानक भविष्यवाणी करते हुए सीधे तौर पर कहा है कि 16 से 22 अक्टूबर तक गुजरात के विभिन्न जिलों में बारिश होती रहेगी.

केरल-मध्य प्रदेश के साथ-साथ देश के कुछ हिस्सों में मौसम के कारण मानसून जैसी स्थिति बनने से लोग घबराए हुए हैं, खासकर किसान, जिन्हें इस बात का अंदाजा नहीं है कि यह मौसम आने वाली सर्दियों की फसल के रंग में भंग डाल रहा है अलविदा नवरात्र मना रहे खिलाड़ी टूटते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले 48 घंटों में दक्षिण गुजरात और दक्षिण सौराष्ट्र के जिलों में भारी बारिश की संभावना है, जिसके कारण राज्य भर में अधिकतम तापमान में लगभग 5% की गिरावट आई है. गुरुवार से ही पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया है। हालाँकि, जहाँ बारिश नहीं होती, उकलात और बफ़ारा का अनुभव अलग-अलग होता है।

मध्य गुजरात के अहमदाबाद सहित आसपास के जिलों में बादल छाए रहने के कारण शहरवासियों को आज सुबह से ही ठंड का अनुभव होगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से तीन से चार डिग्री सेल्सियस कम हो गया है। हालांकि, शाम के बाद शहर में हल्की बारिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है. फिर अंबालाल पटेल ने अपनी भविष्यवाणी दोहराते हुए कहा है कि अगर अगले 4 दिनों में भारी बारिश फिर से हो तो आश्चर्य नहीं होगा. गौरतलब है कि अंबालाल पटेल ने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि शरद पूर्णिमा की रात कैसी होगी.

पड़ौसी ने चार बच्चियों के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी को गिरफ्तार कर जांच में जुटी पुलिस

खेडा (ईएमएस) दुष्कर्म खासकर बच्चियोंकेसाथदुष्कर्मकरने वाले आरोपियो के खिलाफ कानून सख्त से सख्त कार्यवाही कर रहा है, इसके बावजूद ऐसी घटनाएं थम नहीं रहीं सूरत और वडोदरा में नाबालिग लड़की के साथ गैंग रेप की घटनाओं को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश हैं ऐसे में दुष्कर्म की और घटना सामने आई हैं जिसमें आरोपी ने एक नहीं बल्कि चार-चार नाबालिग लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया हैं इतना ही आरोपी ने घटना का वीडियो भी बनाया पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक खेडा जिले के वसो पुलिस थानान्तर्गत रहनेवाले चंद्रकांत पटेल नामक शख्स ने आसपास रहनेवाली चार बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया इन बच्चियों की उम्र 8 से 11 साल के बीच बताई जा रही हैं आरोपी ने बच्चियों के साथ दुष्कर्म किया और उसका वीडियो भी बना लिया था मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस हरकत में आ गई और आरोपी चंद्रकांत पटेल को गिरफ्तार कर लिया साथ ही पुलिस ने आरोपी चंद्रकांत पटेल का मोबाइल भी जब्त कर लिया हैं

पश्चिम रेलवे चलाएगा विशेष त्यौहार ट्रेन के बीच अहमदाबाद ⇌ ग्वालियर

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09411	अहमदाबाद - ग्वालियर (सुपरफास्ट)	19.10.2024 से 02.11.2024 तक	20:25 बजे (शनिवार)	13:00 बजे (अगले दिन)
09412	ग्वालियर - अहमदाबाद (सुपरफास्ट)	20.10.2024 से 03.11.2024 तक	16:30 बजे (रविवार)	09:05 बजे (अगले दिन)
हाल्टः आनंद, छायापुरी, गोधरा, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, गुना और शिवपुरी स्टेशन दोनों दिशाओं में.				
संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09411 की बुकिंग 16.10.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें यहां लाइक करें facebook.com/WesternRly
हमें यहां फ़ॉलो करें X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95